बाप भी छुप के रोता है गीत लिरिक्स

खुद के लिए कुछ भी,
कभी ना करता है,
बेटो की खुशियों की,
खातिर मरता है,
बोझ बेटा गमों का,
जब ढोता है,
बाप भी छुप के रोता है,
बाप भी छुप के रोता हैं।bd।

तर्ज – आदमी खिलौना है।

बेटा नहीं है जानता,
क्या होता है त्याग,
जिस मां की तू पूजा करता,
बाप है उसका सुहाग,
सह के दु:ख,
बीज खुशियों के बोता है,
बाप भी छुप के रोता हैं,
बाप भी छुप के रोता हैं।bd।

मैंने देखा मैंने जाना,
मेरी समझ में आया,
जिसमे है परिवार खुशी,
बस वही है बाप का साया,
टूटकर जो माला पिरोता है,
बाप भी छुप के रोता हैं,
बाप भी छुप के रोता हैं।bd।

जब जब आई तुझपे मुसीबत,
पापा तू है पुकारे,
लेकिन क्या सोचा है कभी,
पापा किसे पुकारे,
खुद पे ही बोझ,
दुनिया का ढोता है,
बाप भी छुप के रोता हैं,
बाप भी छुप के रोता हैं।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तू जिस घर मे रह करके,
सीख रहा है जीना,
नही ईमारत वो मिट्टी की,
बाप का खून पसीना,
तेरे ख्यालों में 'बेधड़क',
वो खोता है,
बाप भी छुप के रोता हैं,
बाप भी छुप के रोता हैं।bd।

खुद के लिए कुछ भी,
कभी ना करता है,
बेटो की खुशियों की,
खातिर मरता है,
बोझ बेटा गमों का,
जब ढोता है,
बाप भी छुप के रोता है,
बाप भी छुप के रोता हैं।bd।

Singer – Kunwer Nihal
9935668585

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com